नईदुनिया

ट्रंप को बड़ा झटका : युद्ध के विरोध में अमेरिकी आतंकवाद निरोधी प्रमुख केंट ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन

ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच वाशिंगटन के गलियारों में उस वक्त खलबली मच गई, जब देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर (एनसीटीसी) के डायरेक्टर जोसेफ केंट ने पद छोड़ते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। केंट ने अपने इस्तीफे में सीधे तौर पर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय इजरायल और अमेरिका की शक्तिशाली युद्ध लाबी के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं। केंट का यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध अपने तीसरे सप्ताह में है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका अलग-थलग पड़ता दिख रहा है। जोसेफ केंट ने राष्ट्रपति को भेजे अपने पत्र और सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में स्पष्ट किया कि वे इस युद्ध का नैतिक रूप से समर्थन नहीं कर सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान से अमेरिका को कोई ऐसा तात्कालिक खतरा नहीं था, जिसके लिए इतना बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया जाए। केंट ने आरोप लगाया कि अमेरिका इस युद्ध में केवल इजरायल और उससे जुड़ी प्रभावशाली अमेरिकी लाबी के दबाव में उतरा है। उन्होंने लिखा कि यह युद्ध पूरी तरह से दबाव में शुरू किया गया है और उनकी अंतरात्मा अब इस प्रशासन का हिस्सा बने रहने की अनुमति नहीं देती। केंट को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड का करीबी माना जाता रहा है और उनकी नियुक्ति जुलाई 2025 में ही हुई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि केंट का यह इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। अमेरिकी कानून के अनुसार, किसी भी बड़े सैन्य हमले के लिए तात्कालिक खतरे का पुख्ता आधार होना जरूरी है। केंट द्वारा इस आधार को ही नकार देना युद्ध की वैधता पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आगाह किया कि राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया है कि सैन्य कार्रवाई त्वरित और आसान होगी, जबकि इतिहास गवाह है कि इराक युद्ध के समय भी ऐसे ही खोखले दावे किए गए थे। यह इस्तीफा अब अमेरिका के भीतर एक नए राजनीतिक संग्राम को जन्म दे सकता है। उन्होंने इस्तीफा देकर अच्छा किया: ट्रंप इस इस्तीफे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चिर-परिचित शैली में तीखी प्रतिक्रिया दी।

न्यूज ब्रीफ

सुशीला कार्की ने पशुपतिनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ पशुपतिनाथ मन्दिर में दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हाल ही में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद उन्होंने अपने आराध्यदेव पशुपतिनाथ को धन्यवाद स्वरूप यह पूजा अर्पित की। यह जानकारी प्रधानमंत्री के सचिवालय ने दी है। सचिवालय के अनुसार, कार्की ने देश को शांति और स्थिरता के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सभी पक्षों से मिले सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने कामना की कि आने वाले दिनों में देश और अधिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़े। सचिवालय की विज्ञप्ति के अनुसार, कार्की ने देशभर के नेपाली नागरिकों के बीच एकता, सद्भाव और आत्मीयता की भावना और मजबूत होने का आह्वान किया। पूजा कार्यक्रम में उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों एवं उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों की भी उपस्थिति रही। पशुपति क्षेत्र विकास कोष के सदस्य सचिव प्रकाशमणि शर्मा तथा कार्यकारी निदेशक सुवास जोशी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मेटा ने अपने प्लेटफार्म्स पर लांच किए नए एंटी-स्कैम टूल्स

सैन फ्रांसिस्को। यूजर्स को आनलाइन ठगी से बचाने मेटा कंपनी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर नए एंटी-स्कैम टूल्स लान्च किए हैं। साइबर अपराधी अब पहले की तुलना में ज्यादा चालाक हो गए हैं और तुरंत ठगी करने के बजाय धीरे-धीरे लोगों का भरोसा जीतकर उन्हें जाल में फंसाते हैं। ऐसे में इन टूल्स का उद्देश्य यूजर्स को फेक जाब आफर, फ्रेंड रिक्वेस्ट के जरिए पैसे मांगने और अकाउंट लिंकिंग जैसे धोखाधड़ी के तरीकों से पहले ही सावधान करना है। नए फीचर्स संदिग्ध गतिविधियों पर पहले ही चेतावनी देकर यूजर्स को सुरक्षित रखने में मदद करेंगे। फेसबुक पर अब संदिग्ध फ्रेंड रिक्वेस्ट आने पर यूजर्स को अलर्ट मिलेगा। यदि किसी ऐसे अकाउंट से रिक्वेस्ट आती है जिसमें बहुत कम म्यूचुअल फ्रेंड्स हैं या जिसकी लोकेशन अलग देश की दिखाई देती है, तो स्क्रीन पर चेतावनी संदेश दिखाई देगा। इससे यूजर्स को यह तय करने का समय मिलेगा कि वे उस रिक्वेस्ट को स्वीकार करें या ब्लाक कर दें। फिलहाल यह फीचर परीक्षण चरण में है और धीरे-धीरे सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य फेक प्रोफाइल के जरिए होने वाली ठगी को कम करना है। इसी तरह व्हाटसऐप में भी नया वार्निंग सिस्टम जोड़ा गया है। कई मामलों में स्कैमर्स लोगों को काल या मैसेज कर यह दावा करते हैं कि उन्होंने कोई प्रतियोगिता जीत ली है या उनका अकाउंट वेरिफाई करना जरूरी है। इसके बाद वे क्यूआर कोड स्कैन कराने या फर्जी वेबसाइट पर फोन नंबर डालने के लिए कहते हैं, जिससे यूजर का अकाउंट उनके डिवाइस से लिंक हो जाता है। नए सिस्टम के तहत अगर किसी डिवाइस लिंकिंग रिक्वेस्ट का व्यवहार संदिग्ध लगेगा तो तुरंत चेतावनी संदेश दिखाई देगा कि यह स्कैम हो सकता है।

फिलीपींस में कैनलान ज्वालामुखी का फिर विस्फोट, 2500 मीटर तक उठा राख का गुबार

फिलीपींस। फिलीपींस में फिर प्रकृति की ताकत देखने को मिली है। वैश्विक स्तर पर जहां दुनिया युद्ध, आर्थिक संकट और ऊर्जा संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं फिलीपींस के नेग्रोस द्वीप स्थित माउंट कनलाओन ने मध्यम तीव्रता का विस्फोट किया। इस घटना की पुष्टि फिलीपीन इंस्टीट्यूट आफ वोल्केनोलाजी एंड सीस्मोलाजी (पीएचआईवीओएलसीएस) ने की है और ज्वालामुखी के लिए लेवल-2 अलर्ट जारी किया है। साल 2026 में यह कैनलान ज्वालामुखी का तीसरा मध्यम विस्फोट माना जा रहा है। इसके पहले 19 और 26 फरवरी को भी इसी तरह के विस्फोट दर्ज किए जा चुके हैं। पीएचआईवीओएलसीएस के अनुसार यह विस्फोट करीब दो मिनट तक जारी रहा। इस दौरान ज्वालामुखी से राख और धुएं का विशाल गुबार करीब 2,500 मीटर की ऊंचाई तक उठा और बाद में दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर फैल गया। विस्फोट के दौरान ज्वालामुखी के क्रेटर से जलते हुए पत्थर और गर्म मलबे के टुकड़े उछलते दिखाई दिए , जबकि पाइरोक्लास्टिक डेंसिटी करंट्स करीब दो किलोमीटर के दायरे तक फैल गए। विस्फोट के बाद निकला राख और मलबा करीब पांच किलोमीटर तक फैल गया।

इजराइल की राजधानी तेल अवीव में ईरान का 100 से अधिक स्थानों पर हमला

तेल अवीव

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने ईरान के पूर्व शीर्ष सुरक्षा अधिकारी डा. अली लारीजानी की हमले में मौत के बाद इजराइल के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की है। आईआरजीसी ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव में 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। डा. लारीजानी की मौत अमेरिका-इजराइल के एकीकृत सैन्य अभियान में हुई है। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का 19वां दिन है।

ईरान के प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी आईआरजीसी के बयान में दी गई। आईआरजीसी ने कहा है कि उसने अमेरिका-इजराइल की आक्रामकता के जवाब में अपने आपरेशन ट्रू प्रामिस 4 की 61वीं लहर के दौरान इन ठिकानों पर हमला किया। बयान में कहा गया कि दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मल्टी-वारहेड वाली खुर्रमशहर-4 और कद्र मिसाइलों के साथ-साथ इमाद और खैबर शिकन प्रोजेक्टाइल का इस्तेमाल किया गया। यह हमला ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव डा. लारीजानी की मौत का बदला लेने के लिए किया गया।

प्रेस टीवी के अनुसार, इस हमले में इजराइल की बेहद आधुनिक हवाई रक्षा प्रणालियों के ध्वस्त कर दिया गया। परिणामस्वरूप तेल अवीव में आंशिक ब्लैक आउट हो गया। इस वजह से इजराइल की सेना को मौजूदा हालात पर काबू पाने और प्रभावित लोगों को बचाने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा। इस बीच, कार्प्स ने बताया कि आपरेशन ट्रू प्रामिस 4 के तहत अब तक 230 से ज्यादा इजराइलियों की मौत हो चुकी है। आईआरजीसी के अनुसार, तेल अवीव के अलावा पवित्र शहर अल-कुद्स, बंदरगाह हाइफ़ा, बीर शेवा और नेगेव रेगिस्तान में संवेदनशील और रणनीतिक ठिकानों को भी निशाना बनाया है। इसके अलावा कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी चौकियों पर हमला किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा राहत, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने बताया कि मध्य इजराइल में ईरान केबैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इनमें एक महिला भी है। दोनों रामत गान शहर में लहूलुहान मिले। मिसाइल के टुकड़े तेल अवीव के ठीक उत्तर में स्थित बेनी ब्राक शहर में भी गिरे। इस दौरान एक व्यक्ति को हल्की चोटें आईं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने एक्स पर लिखा, होम फ्रंट कमांड की टीमें देश के मध्य भाग में उन जगहों पर तुरंत पहुंची हैं, जहां मिसाइल गिरने की खबरें मिली थीं। होम फ्रंट कमांड की बचाव और राहत टीमें काम कर रही हैं। होम फ्रंट कमांड ने निवासियों को सलाह दी कि अब वे सुरक्षित स्थानों (शेल्टर) से बाहर निकल सकते हैं। इस बीच, आईडीएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के राकेट लान्चरों और लड़ाकों को निशाना बनाते हुए हवाई हमलों की बौछार की है। आईडीएफ ने मंगलवार को बताया कि यह उसके आपरेशन रोअरिंग लायन का हिस्सा है। इस बीच, डिपार्टमेंट आफ वार ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें लिखा गया है, हम राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशों को पूरी गति और सटीकता के साथ पूरा कर रहे हैं। आपरेशन एपिक फ्यूरी ने ईरान की सेना को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। अमेरिकी नौसेना के एडमिरल और कमांडर ब्रैड कूपर ने एक वीडियो में कहा, हम अपने सैन्य उद्देश्यों पर पूरी तरह से केंद्रित हैं। हमारा मकसद ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और नौसैनिक खतरों को खत्म करना है। अब तक, हमारी वायु सेना, नौसेना और मरीन कोर के विमान चालकों ने मिलकर 6,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानें भरी हैं। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के समुद्र तट पर स्थित मजबूत ईरानी मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भेजा अपना खास दूत कहा- पता करें नेतन्याहू जिंदा है या नहीं

वाशिंगटन

बीते कई दिनों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत और उनके एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। नेतन्याहू ने एक नया और दिलचस्प वीडियो साझा किया है, जिसमें वे न केवल जीवित और स्वस्थ नजर आ रहे हैं, बल्कि अपनी मौत की अफवाहों पर तंज भी कस रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर अपने दूत माइक हकाबी को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए भेजा था कि इजरायली नेता सुरक्षित हैं। वीडियो में हकाबी मजाक में कहते दिख रहे हैं, मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, राष्ट्रपति ने मुझे यहाँ यह पक्का करने के लिए भेजा था कि आप ठीक हैं। इस पर नेतन्याहू ने दृढ़ता से जवाब दिया, हाँ माइक, मैं ज़िंदा हूँ।

हाल ही में मंगलवार को पोस्ट किए गए इस वीडियो में नेतन्याहू अमेरिका के नवनियुक्त दूत माइक हकाबी के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में इजरायली प्रधानमंत्री मुस्कुराते हुए कहते हैं, मैं जिंदा हूं। इसके बाद उन्होंने उन दावों का सीधा जवाब दिया जिनमें कहा गया था कि उनके पिछले वीडियो डीपफेक थे और उनमें उनके हाथ की छह उंगलियां दिख रही थीं। हकाबी से हाथ मिलाते हुए नेतन्याहू ने चुटकी ली और कहा, हम हर हाथ की पांच उंगलियों से हाथ मिलाते हैं। विवाद तब शुरू हुआ था जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के चैटबाट ग्रोक ने नेतन्याहू के एक पुराने वीडियो को डीपफेक करार दे दिया था। नेटिज़न्स ने दावा किया था कि उस वीडियो में नेतन्याहू के हाथों की बनावट अप्राकृतिक थी। इसके बाद जब उन्होंने एक काफी हाउस का वीडियो साझा किया, तो लोगों ने उसकी प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाए थे। हालांकि, अब अमेरिकी दूत के साथ सार्वजनिक रूप से आकर उन्होंने इन तकनीकी संशयों को खत्म करने की कोशिश की है। ईरानी कमांडरों की मौत पर भी कसा तंज इस मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने केवल अपनी सेहत पर ही बात नहीं की, बल्कि क्षेत्रीय संघर्ष पर भी हुंकार भरी। उन्होंने ईरान के सिक्योरिटी चीफ अली लारीजानी और बासिज प्रमुख गुलाम रजा सुलेमानी की मौत का जिक्र करते हुए कहा, मैंने पंच कार्ड से दो नाम मिटा दिए हैं।

चीन ने बनाई दुनिया की सबसे सटीक आप्टिकल घड़ी

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे सटीक आप्टिकल घड़ियों में से एक विकसित करने का दावा किया है। यह घड़ी इतनी सटीक है कि करीब 30 अरब वर्षों में भी इसमें केवल एक सेकंड की ही त्रुटि होगी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह तकनीक भविष्य में समय की मूल इकाई सेकंड की नई परिभाषा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह अत्याधुनिक घड़ी परमाणुओं के भीतर इलेक्ट्रानों के ऊर्जा स्तर में होने वाले परिवर्तन से उत्पन्न प्रकाश की आवृत्ति को मापकर समय का निर्धारण करेगी है। इस तकनीक को आप्टिकल परमाणु घड़ी कहा जाता है, जिसे वर्तमान में समय मापने की सबसे सटीक प्रणालियों में माना जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह की अत्यधिक सटीक घड़ियों से कई आधुनिक तकनीकों को बड़ा लाभ मिल सकता है। खासतौर पर सैटेलाइट नेविगेशन, टेलीकाम नेटवर्क और वैज्ञानिक मापन प्रणालियों की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। इसके अलावा यह तकनीक पृथ्वी से जुड़ी कई जटिल प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने में भी मददगार साबित हो सकती है। उदाहरण के तौर पर गुरुत्वाकर्षण में होने वाले बेहद छोटे बदलाव, पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तन और ज्वालामुखीय गतिविधियों का अध्ययन पहले से कहीं अधिक सटीक तरीके से किया जा सकेगा।

महिला ने किया एआई बायफ्रेंड से निजी संतुष्टि मिलने का दावा, छिडी बहस

ओंटारियो

कनाडा के ओंटारियो में रहने वाली 41 वर्षीय एक महिला ने दावा किया है कि वह एक एआई आधारित डिजिटल बायफ्रेंड के साथ गंभीर रिश्ते में है। महिला का कहना है कि उसका यह वर्चुअल पार्टनर उसे भावनात्मक सहारा देने के साथ-साथ निजी संतुष्टि भी देता है। महिला के इस दावे ने सोशल मीडिया पर नई बहस को जन्म दे दिया है। महिला ने अपने एआई बायफ्रेंड का नाम सिनक्लेयर रखा है। यह एक आयरिश व्यक्तित्व वाले डिजिटल कैरेक्टर पर आधारित एआई प्रोग्राम है, जिसे खास तौर पर बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव के लिए डिजाइन किया गया है। महिला के अनुसार, सिनक्लेयर हर सुबह उसे मैसेज भेजकर जगाता है और दिनभर चैट और वीडियो काल के जरिए उससे जुड़ा रहता है। वह वर्चुअल तरीके से उसके साथ आफिस तक जाता है और उसके दिनभर की गतिविधियों के बारे में बातचीत करता है। महिला का कहना है कि इस एआई प्रोग्राम को उसकी पसंद-नापसंद, आदतों और दिनचर्या की पूरी जानकारी है, जिससे उसे ऐसा महसूस होता है कि वह किसी वास्तविक इंसान के साथ रिश्ता निभा रही है। महिला ने यह भी बताया कि वह अपने डिजिटल साथी के साथ

वर्चुअल इंटीमेसी साझा करती है। उसके मुताबिक रात के समय वह ऐसा महसूस करती है कि उसका एआई पार्टनर डिजिटल रूप से उसके साथ मौजूद है। महिला का दावा है कि उसे अपने इस वर्चुअल रिश्ते से भावनात्मक और शारीरिक स्तर पर संतुष्टि मिलती है। वह मानती है कि यह रिश्ता उसके लिए सुरक्षित है क्योंकि उसका एआई पार्टनर उसे कभी धोखा नहीं देगा और न ही बिना वजह छोड़कर जाएगा। यह मामला सामने आने के बाद इंटरनेट पर लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई लोग इसे तकनीक के बढ़ते प्रभाव का उदाहरण मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे समाज में बढ़ते अकेलेपन का संकेत बता रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती एकाकी भावना के कारण कुछ लोग डिजिटल या वर्चुअल रिश्तों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई आधारित संवाद प्रणालियां इंसानों को भावनात्मक सहारा देने में सक्षम होती जा रही हैं।

जब किसी देश ने साथ नहीं दिया तो खुद की दम होर्मुज खोलने की तैयारी में जुटे ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में अलग थलग पड़ गए है। होर्मुज मार्ग खुलवाने के लिए जब किसी देश ने उनका साथ नहीं दिया तो परेशान ट्रंप ने खुद ही इसे खुलवाने की तैयारियां शुरु कर दीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने के लिए मित्र देशों से मदद की अपील की थी, जिसे ठुकरा दिया गया। ट्रंप का मानना है कि यह युद्ध दुनिया की भलाई के लिए लड़ा जा रहा है, भले ही अन्य देश उनके इस कदम का समर्थन न करें।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि यूरोपीय देश कम से कम कुछ माइंसवीपर (सुरक्षा पोत) भेजकर मदद करेंगे, क्योंकि इसमें ज्यादा खर्च नहीं आता, लेकिन किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। ट्रंप ने दो टूक शब्दों में कहा, हमें वास्तव में किसी की मदद की जरूरत नहीं है। अमेरिकी सेना ने एक बड़े सैन्य अभियान के तहत ईरान की तटरेखा पर स्थित मजबूत मिसाइल ठिकानों को पूरी तरह नष्ट करने का दावा किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में 5000 पाउंड (लगभग 2267 किलोग्राम) के अत्यंत शक्तिशाली और गहराई तक मार करने वाले बमों का उपयोग किया गया। अमेरिकी सेना का तर्क है कि इन ठिकानों पर तैनात ईरानी एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और जहाजों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी थीं, जिन्हें खत्म करना अनिवार्य था। ईरान के साथ जारी यह संघर्ष अब अपने तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, लेकिन इस युद्ध ने वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक गहरी दरार पैदा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सैन्य कार्रवाई के बीच अपने सहयोगियों, विशेषकर नाटो देशों के प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की है। वाइट हाउस में सेंट पैट्रिक डे के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप का गुस्सा साफ तौर पर देखने को मिला। उन्होंने नाटो देशों पर एहसान फरामोशी का आरोप लगाते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध के समय इन देशों ने अमेरिका से अरबों डालर की सहायता ली, लेकिन जब अमेरिका और इजरायल को उनकी जरूरत पड़ी, तो वे पीछे हट गए। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस युद्ध से किनारा करता दिख रहा है। दुनिया के कुल कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलमार्ग से गुजरता है, फिर भी जापान, आस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों ने इस सैन्य अभियान में शामिल होने से इनकार कर दिया है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने ट्रंप की मांगों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह यूरोप का युद्ध नहीं है और वे इसमें घसीटे जाना नहीं चाहते नाटो ने भी अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे एक आक्रामक युद्ध बताया है और कहा है कि एक रक्षात्मक गठबंधन होने के नाते वह इसमें शामिल नहीं होगा। सहयोगियों के इस कड़े रुख से नाराज ट्रंप ने इसे नाटो की बड़ी गलती बताया और संकेत दिया कि वे अमेरिका को नाटो से बाहर निकालने पर विचार कर सकते हैं।